अच्छा ईथन

पौला फॉक्स, चित्र: अर्नोल्ड लोबेल
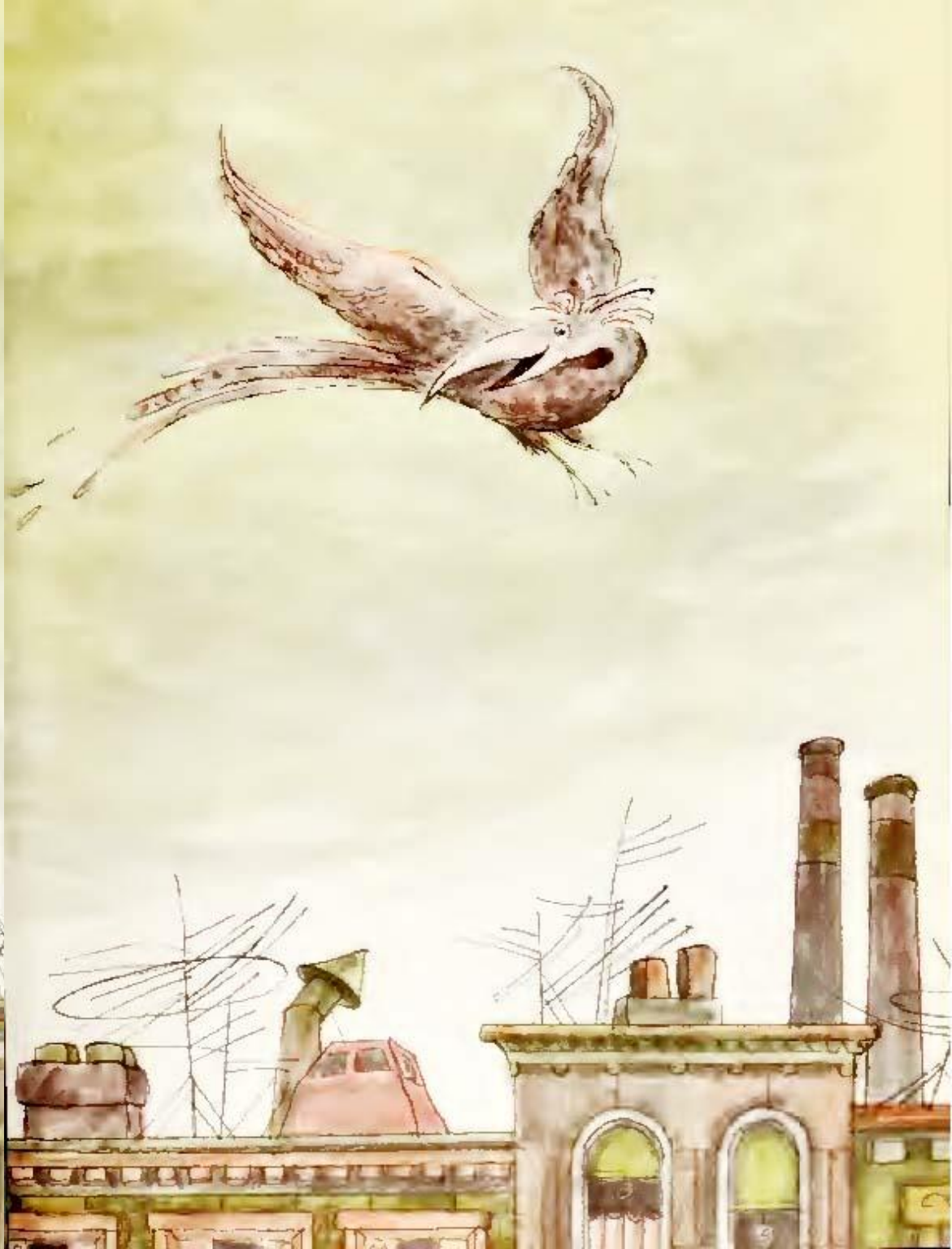
अच्छा ईथन

“ईथन, अच्छे लड़के बनो!” ईथन की माँ ने कहा. उन्होंने रबर की एक नई लाल गेंद उसे दी. नीचे जाने के लिए उसने सीढ़ी के पहले पायदान पर एक पाँव रखा.

“ईथन? जब मैंने तुम से कहा, ‘अच्छे लड़के बनो’ तो मेरे कहने का अर्थ क्या था?”

“मैं पैदल सड़क पार नहीं कर सकता.”

“बिलकुल सही. तुम्हें पैदल सड़क के पार नहीं जाना चाहिए!”

ईथन की माँ ने घर का दरवाज़ा बंद कर लिया. ईथन एक और पायदान उतर कर नीचे आया. फिर सीढ़ी के अंतिम तीन पायदान उसने कूद कर पार किए और फुटपाथ पर आ गया.

उसने गेंद उछाल कर कूड़ेदान को मारी. गेंद उछल कर वापस आई तो उसने पकड़ ली. उसने घर की सीढ़ी पर गेंद फेंक कर उछाली और फिर लपक कर पकड़ ली. उसने घर की दीवार की ओर गेंद फेंकी. जो व्यक्ति रात में टैक्सी चलाता था उसके घर की खिड़की में गेंद जाते-जाते रह गई. ईथन गेंद पकड़ न पाया.

उसके सिर के ऊपर से उछलती हुई गेंद सड़क पर आ गिरी और फिसलती हुई मोड़ की ओर चली गई. फिर रीको के स्टोर के सामने सड़क पर फिसलती हुई, गेंद नाली में पड़े बोतलों के ढक्कनों पर आ रुकी.

ईथन ने अपने घर के दरवाज़े की ओर देखा. उसकी माँ खिड़की से उसे देख नहीं रही थी. उसने सड़क के दोनों ओर देखा. सड़क पर न कोई कार थी और न कोई फायर इंजन था, न एम्बुलेंस चल रही थी और न ही कूड़ा उठाने वाला ट्रक था. एक साइकिल भी सड़क पर न चल रही थी.

मोड़ पर लगी ट्रैफिक लाइट बार-बार लाल और हरी हो रही थी.

ईथन अपने-आप से बातें करने लगा. "मैं वह गेंद कैसे ले सकता हूँ?" उसने पूछा. हवा धीरे से चलने लगी और जिस ऊँचे पेड़ की टहनियाँ ईथन के कमरे की खिड़की को छू रही थीं उसकी पत्तियाँ थरथराने लगीं. सड़क के दूसरी तरफ, रीको के स्टोर के सामने, भी एक पेड़ था, उसके पेड़ जैसा ही.

सामान से भरा एक थैला लिए एक महिला रीको के स्टोर से बाहर आई. हाथ में पकड़े हुए एक कार्टन से वह संतरे का जूस पी रही थी. जूस पी कर उसने खाली कार्टन नाली की ओर फेंक दिया जो ईथन की लाल गेंद के ऊपर जा गिरा. “उन्होंने ऐसा क्यों किया?” ईथन ने अपने-आप से पूछा.
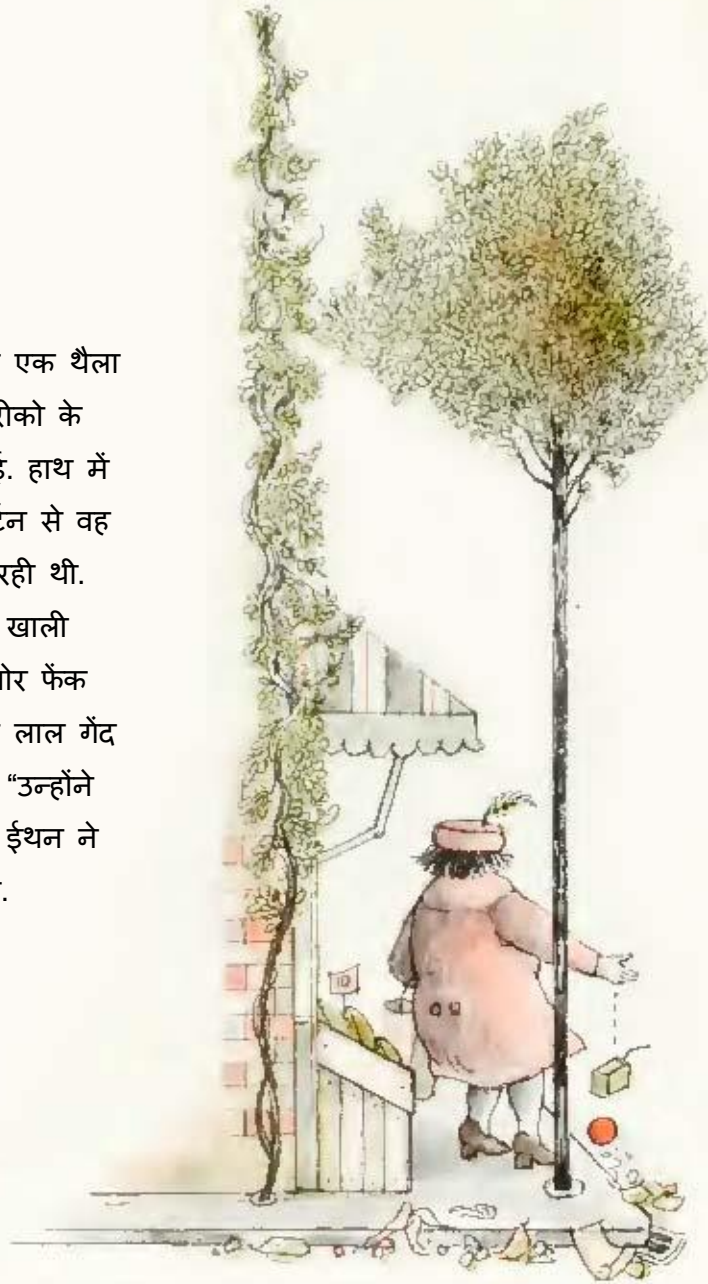
ईथन ने देखा कि टेलिविज़न की लंबी भूरे रंग की एक तार उसके घर की छत से नीचे लटक रही थी और घर के एक तरफ से आकर वह तार लगभग फुटपाथ को छू रही थी. सड़क की दूसरी ओर, रीको के स्टोर के सामने, एक पेड़ था, जिसके तने पर उतनी ही गाँठों थी जितनी गाँठें ईथन के जूते के तसमे पर लगी थीं

किसी व्हेल की तरह ज़ोर-ज़ोर से साँस लेता हुआ एक लंबा-चौड़ा आदमी फुटपाथ पर धीरे-धीरे चलता उधर आया.

"क्या आप सड़क पार जाकर, वहाँ पड़ी मेरी गेंद मेरे लिए ला सकते हैं?" ईथन ने पूछा.

"मैं झुक नहीं सकता," उस आदमी ने कहा. "मैं ज़मीन पर बैठ नहीं सकता. मैं मुड़ नहीं सकता." इतना कह कर वह आदमी आगे निकल गया.

कुछ समय बाद एक वृद्ध महिला उस सड़क पर आई.

छोटे-छोटे कदम भरते हुए वह घरों के पास-पास ही चल रही थी.

"क्या आप वहाँ से मेरी गेंद ला सकती हैं?" ईथन ने उनसे पूछा.

"मैं? तुम्हारी गेंद लेकर आऊँ? मैं नहीं ला सकती!" बूढ़ी औरत ने चिल्लाकर कहा. "सड़क पार करने में तुम्हें मेरी सहायता करनी चाहिए, मेरा सूटकेस उठा कर ले जाना चाहिए और इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ठोकर खाकर मैं कहीं गिर न जाऊँ." वह चली गई और ईथन को उनके पास कोई सूटकेस दिखाई न दिया.

दो बड़े लड़के, एक-दूसरे को घूंसे मारते हुए, वहाँ आए.

"क्या आप मेरे लिए मेरी वह गेंद ले आएंगे? गेंद फिसल कर उस नाली में चली गई है," ईथन ने उन लड़कों से कहा.

"आग जलाने के लिए हम खाली ज़मीन की ओर जा रहे हैं," एक लड़के ने दूसरे को मुक्का मारते हुए कहा.

तब दूसरे ने कहा, "अपनी गेंद को सम्मोहित करने का प्रयास करो. उसे घूर कर देखो. शीघ्र ही गेंद सम्मोहित होकर अपने आप तुम्हारे पास आ जाएगी."

"वाह!" पहला लड़का चिल्लाया. फिर वह ज़ोर से हँसा और उसने ईथन को एक मुक्का मारा.

"मैं इतना मूर्ख नहीं हूँ," ईथन ने कहा.

"यह इतना मूर्ख नहीं है!" पहला लड़के ने ऊँची आवाज़ में कहा, और वह दोनों दौड़ते हुए अपने रास्ते चल दिए.

खाली बोतलों से भरी एक बच्चा-गाड़ी को धीरे-धीरे धकेलती एक महिला उस रास्ते पर आई.

“क्या रीको के स्टोर के बाहर पड़ी मेरी गेंद को आप मेरे लिए ला सकती हैं?” ईथन ने पूछा.

“तुम्हें अपनी गेंद फेंकनी ही नहीं चाहिए थी,” महिला ने कहा. “अगर तुम ने गेंद फेंकी ही न होती तो वह रीको के स्टोर के पास न जाती.” महिला ने बच्चा-गाड़ी को धक्का मारा तो उसमें रखी बोतलें आपस में खनखनाती हुई टकराईं और वह वहाँ से चली गई.

एक मोटा कुत्ता धीरे-धीरे चलता हुआ ईथन के पास आया. ईथन कुत्ते को पहचानता था. वह कहीं आसपास ही रहता था. कुत्ता मोटा था क्योंकि कूड़ेवाला जो भी कूड़ा फुटपाथ पर गिरा देता था, कुत्ता उसे खा जाता था. अगर उसके पास एक रस्सी होती तो, ईथन ने सोचा, वह कुत्ते को रस्सी से बाँध लेता और उसे सड़क की ओर धकेल देता. जब कुत्ता गेंद को मुँह से पकड़ लेता तो वह रस्सी को वैसे ही लपेट लेता जैसे एक मछुआरा, कांटे में मछली फंसने पर, बंसी की डोरी को लपेट लेता है. लेकिन कुत्ता गेंद खा जायेगा.

कुत्ता मोड़ पर घूम कर अपने रास्ते चला गया.

अब सड़क पर कोई न था. पेड़ के पत्तों के बीच से मंद-मंद बहती हवा की ध्वनि और ट्रैफिक लाइट के लाल-हरा बदलने की क्लिक-क्लिक के अतिरिक्त कोई आवाज़ भी न सुनाई दे रही थी.

ईथन ने छत से लटकती टेलिविज़न की भूरी तार को पकड़ा और उसके सहारे घर की दीवार पर सीधा ऊपर चढ़ने लगा. छत पर पहुँचने से पहले वह अपनी बहन, एलिस, के कमरे की खिड़की के पास से निकला. वह अपने पालने में लेटी हुई थी. जब उसने ईथन को देखा तो वह अपने पाँव चलाने लगी और मुस्कराई. “यह बात अपने तक ही रखना,” ईथन ने कहा. पालने की डंडियों के बीच से उसने माँ को रसोई में काम करते देखा.

ऊपर चढ़ कर जब ईथन पेड़ की सबसे ऊँची टहनी के पास पहुँच गया तो उसने एक हाथ आगे बढ़ा कर उस टहनी को पकड़ लिया और फिर दूसरे हाथ से भी पकड़ लिया. टहनी खेल के मैदान में लगी लोहे की छड़ समान न थी. वह मुलायम और मज़बूत न थी लेकिन पपड़ीदार और लचीली थी और हवा में झूल रही थी. वह टहनी के सिरे तक पहुँचा ही था कि उसने ऊपर देखा. सामने एक बड़ा पक्षी दिखाई दिया.

"हटो यहाँ से!" ईथन ने पक्षी से कहा.

पक्षी ने अपनी चोंच खोली लेकिन उसके मुँह से कोई आवाज़ न निकली. ईथन ने पक्षियों को जम्हाई लेते न देखा था. पक्षी अपनी जगह से हिला भी नहीं. उसने अपनी एक काली आँख से ईथन को देखा.

"तुम इतने बड़े हो कि तुम एक पक्षी नहीं हो सकते," ईथन ने कहा. "तुम कौन हो?" पक्षी खड़ा हो गया और उसने धीरे से अपने पर फड़फड़ाये और, ईथन पर अपने कुछ पंख गिराते हुए, उड़ गया. "अगर यह उड़ सकता है और इसके पंख हैं तो अवश्य ही यह एक पक्षी है," ईथन ने सोचा, "निःसंदेह."

वह टहनी के अंतिम सिरे तक आ गया था और टहनी सड़क की ओर झुक गई थी. "धीरे!" ईथन ने अपने आप से कहा और इतना कह कर वह रीको के स्टोर के पास लगे पेड़ की सबसे ऊँची डाल पर कूद गया. उसके एक हाथ की उँगलियाँ पतंग की डोर में उलझ गईं. दूसरे हाथ की उंगलियाँ सख्त च्युइंग-गम के टुकड़े पर आ गिरीं. उसने एक सोडा की बोतल को डाल से हटाया जो नीचे सड़क जा गिरी.

धीरे-धीरे ईथन डाल पर आगे बढ़ता गया और आखिरकार पेड़ के तने के ऊपरी सिरे तक पहुँच गया. तने से नीचे उतरते समय उसने पेड़ की डालों में फंसे एक अध-खाये सैंडविच को, सोडा की दो बोतलों को, एक ऊनी हैट को, च्युइंग-गम लपेटने वाले कागज़ को, एक फ्रिस्बी को, एक बॉलपाइंट पेन को, एक कॉफी के कैन को, पक्षी के एक खाली घोंसले को और एक फटी हुई पतंग को पाँव से ठोकर मार कर नीचे सड़क पर गिरा दिया. अपने कमरे में एक ऐसा पेड़ लगाना गलत नहीं होगा, ईथन ने सोचा.
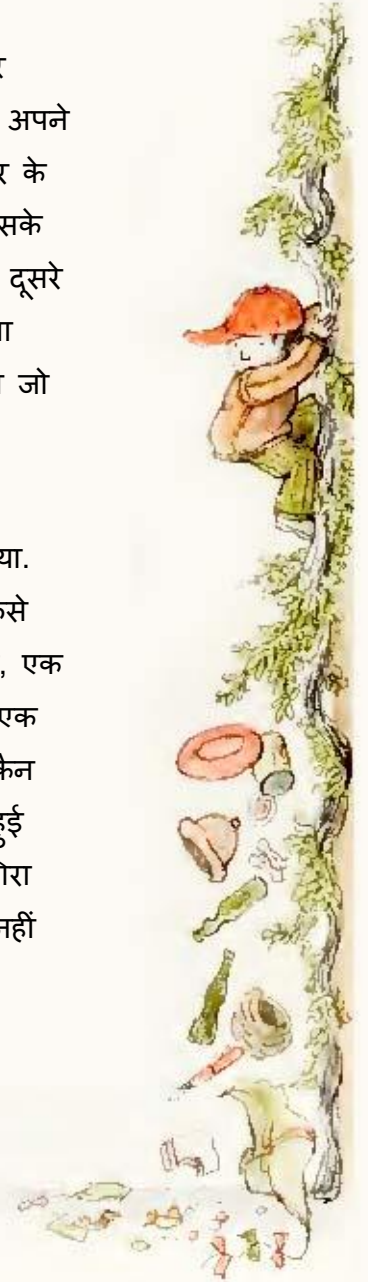
वह नीचे फुटपाथ पर उतर आया, नाली की ओर चला, वहाँ से उसने अपनी गेंद उठाई, काउंटर के पीछे अखबार पढ़ रहे रीको की ओर देख कर हाथ हिलाया और फिर से पेड़ पर चढ़ने लगा. नीचे जाते समय पेड़ में अटकी सब चीज़ों को उसने पहले ही गिरा दिया था, इसलिए चढ़ते समय कुछ भी नीचे न गिरा. रीको के स्टोर के पास लगे पेड़ के ऊपर वह पहुँच गया. उसने एक डाल को पकड़ा और धीरे-धीरे आगे बढ़ा. डाल उस पेड़ की ओर झुक गई जो उसके घर के पास था. उसने हाथ आगे कर उस पेड़ की एक टहनी पकड़ ली.

पक्षी अभी लौट कर न आया था इसलिए ईथन को इस बार अधिक समय न लगा. वह उसी तरह नीचे उतरा जैसे ऊपर गया था. उतरते समय भी वह एलिस के कमरे की खिड़की के पास से निकला. एलिस आश्चर्यचकित दिखाई न दी.
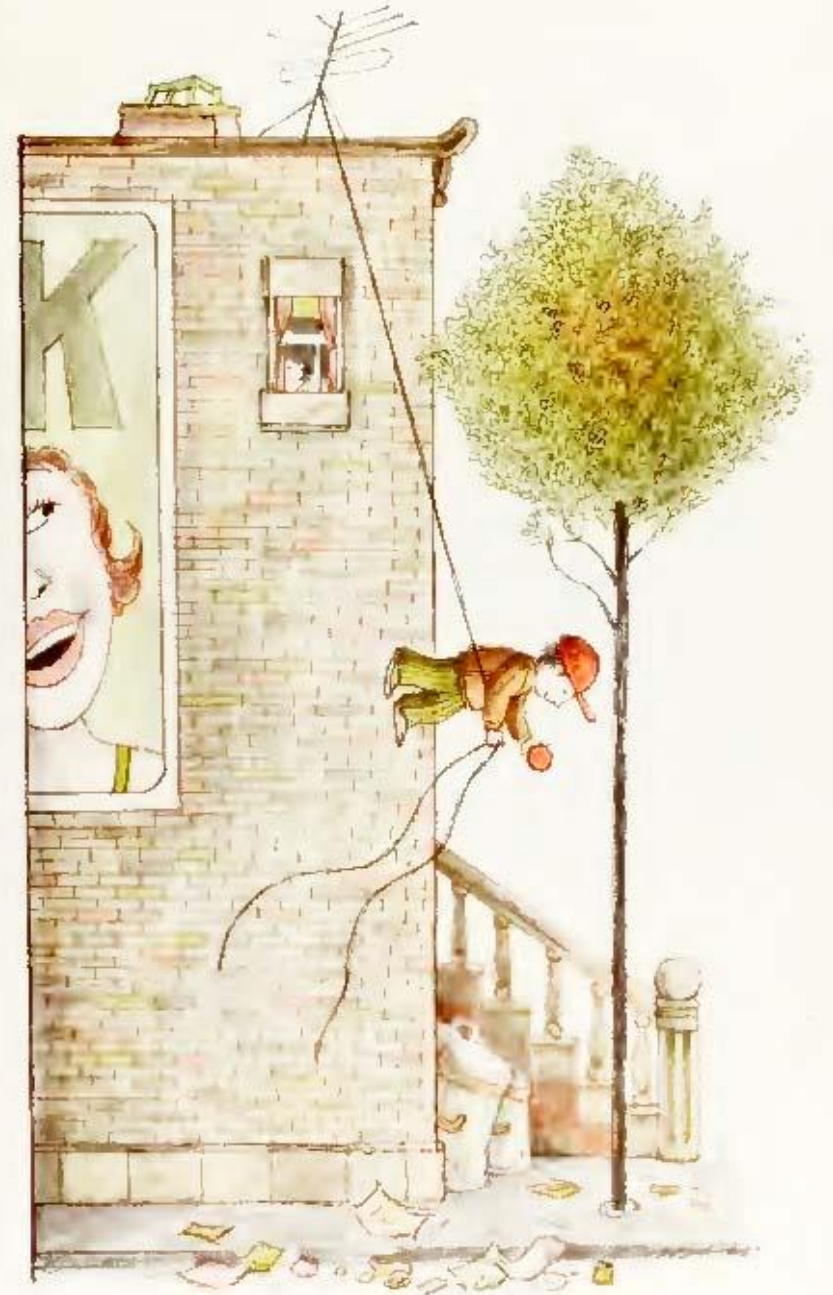
जब तक वह अपने घर के दरवाज़े की ओर जाती सीढ़ियों के पास वापस आया, बहुत देर हो चुकी थी. सड़क के एक ओर अब ट्रैफिक दिखाई दे रही थी, कारें, एक फायर इंजन, कई साइकिल. उसी ट्रैफिक में उसके पिता भी थे, अपनी पुरानी नीली कार में जिसकी पिछली सीट पर धूल जमी थी और जिसके फेंडर पर कई खरोंचे लगी थीं और पिछली सीट के पास ईथन के कई कॉमिक्स पड़े थे.

अब उसे ट्रैफिक की आवाज़ सुनाई दे रही थी. घर जाने का समय हो गया था. उसने गेंद को उछालने का सोचा, पर उसने गेंद उछाली नहीं. उसकी कमीज़ से चिपका एक पंख छिटक नीचे गिरा. उसने बाकी पंख छिटक कर हटा दिए.

ईथन की माँ दरवाज़े पर आईं

ईथन ने गेंद को उछाला और फिर उसे पकड़ लिया. घर के अंदर गेंद उछालने की अनुमति न थी.

"क्या तुम अच्छे लड़के बने?" माँ ने पूछा.

"हाँ," ईथन ने कहा.